>

Title: Alleged inhuman treatment meted out to a sitting member of Parliament and other Haj Pilgrims by Air India.

श्री इलियास आज़मी(शाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, एयर इंडिया किस तरह से अपने पैसेंजरों, खास तौर से हाजियों को तंग करती है, उसके जाती तजुर्बे की बुनियाद पर बताता हूं कि 13 तारीख को जेहा से मुझे आना था, मेरा कंफर्म टिकट था। पहले पता लगा कि फ्लाइट चार घंटे लेट है, फिर पता लगा कि छः घंटे लेट है, उसके बाद पता लगा कि 20 घंटे लेट है। यानी 14 तारीख को सात बजे चलना निश्चित पाया। जानवरों की तरह 24 घंटे तक सारे पैसेंजर्स एयरपोर्ट पर पड़े सड़ते रहे। मैं बार-बार इल्तिजा करता रहा, लेकिन एयर इंडिया का एक आदमी अपना फोन या मोबाइल उठाने के लिए तैयार नहीं हुआ। सात बजे फ्लाइट जानी थी। छः बजे एक आदमी काउन्टर खोलने के लिए आया। उसने छः बजे काउन्टर खोला। वह भी तब खोला, जब मेरे जैसे मैम्बर पार्लियामैन्ट उसे फोन करते-करते तंग आ गये, उल्टा-सीधा भी बोला, तब उसने एक घंटा पहले काउन्टर खोला और साढ़े चार घंटे तक काउन्टर पर चैक इन किया और बंगलूरू के पैसेन्जर्स, मुम्बई के पैसेन्जर्स, दिल्ली के पैसेन्जर्स, सबके सामान मिलाकर चढ़ा दिये...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will have the investigations made.

श्री इलियास आज़मी : 25 घंटे फ्लाइट लेट चली। जब दिल्ली उतरे तो दिल्ली पर मुम्बई वालों का सामान उतर आया, मुम्बई में बंगलौर वालों का सामान उतरा और अब तक वह सामान लोगों को नहीं मिला है। वहां कश्मीर से लेकर पूर्वी यू.पी. तक के लोग थे, जो बेचारे वहां चार-चार दिन से पड़े हुए हैं।

MR.SPEAKER: I will have the matter looked into. I will ask for their explanations.

श्री इलियास आज़मी : मैं मांग करता हूं कि इस मामले की जांच कराई जाए।

अध्यक्ष महोदय : वही तो बोल रहे हैं, करायेंगे।

श्री इलियास आज़मी : एयर इंडिया का जो स्टाफ जेहा में है, उस पूरे स्टाफ को बर्खास्त किया जाए और सबको मुआवजा दिया जाए। जिस तरह उन्होंने जानवरों से ज्यादा बदतर सलूक किया है। आजकल रूल है कि अगर फ्लाइट तीन घंटे से ज्यादा लेट है तो होटल में पैसेंजरों को ठहराया जाए...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We shall look into it. We will ask for their explanations. Thank you very much.

श्री इलियास आज़मी : क्या हाजी लोग जानवर हैं? क्या हाजी लोग एयर इंडिया की नजर में, प्रफुल्ल पटेल जी की नजर में, श्री मनमोहन सरकार की नजर में इंसान नहीं जानवर हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, थैंक यू, अब हो गया।

श्री इलियास आज़मी : जिन्हें 26-26 घंटे जानवरों की तरह रखा गया। मैं मांग करता हूं कि उन सबको बर्खास्त किया जाए, नौकरी से निकाला जाए और सब हाजियों को मुआवजा दिया जाए, जिनके साथ यह नाइंसाफी हुई है। खुद मेरा सामान गायब हुआ, मैं अभी थोड़ी देर पहले सामान लाया हूं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपको हमने बोलने का मौका दिया। हमने बोला है, अनाउंस किया है।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing to be recorded except what Shri Chandrakant Khaire says.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदय : मेहरबानी करके आप बैठ जाइये।